



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4  
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 91]

नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 2, 1999/कार्तिक 11, 1921

No. 91]

NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 2, 1999/KARTIKA 11, 1921

सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क समझौता आयोग प्रक्रिया 1999

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर, 1999

फा. सं. 22/10/99-प्रशा. 1 सी.—सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क समझौता आयोग, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 32 फ की उपधारा (4) और सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 127 च की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित प्रक्रिया तय करता है, अर्थात् :—

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ

- (1) इस प्रक्रिया का संक्षिप्त नाम सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क समझौता आयोग प्रक्रिया, 1999 है।
- (2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

परिभाषाएं :

2. जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो —

- “ केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम ” से केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) अभिप्रेत है;
- “ सीमा शुल्क अधिनियम ” से सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) अभिप्रेत है;
- “ आवेदक ” से ऐसा कोई व्यक्ति अभिप्रेत है जो उससे संबंधित मामले का निपटारा कराने के लिए केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 32ड की उपधारा (1) के अधीन या सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 127 ख की उपधारा (1) के अधीन आयोग को आवेदन करता है;
- “ प्राधिकृत प्रतिनिध ” से—

(क) किसी आवेदक के संबंध में, उसके सिवाय जहां ऐसा आवेदक वैयक्तिक रूप से उपस्थित रहने के लिए आयोग द्वारा अपेक्षित है, कोई ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो किसी केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमाशुल्क प्राधिकारी के समक्ष या केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 35थ के अधीन या सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 146 क के अधीन उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए हकदार होगा;

(ख) किसी आयुक्त के संबंध में, कोई ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो—

- (i) आयुक्त या मुख्य आयुक्त द्वारा लिखित में प्राधिकृत है, या
- (ii) आयोग के समक्ष किसी कार्यवाही में आयुक्त के लिए उपसंज्ञात होने, अभिवाक और कार्य करने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त या केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड द्वारा प्राधिकृत किया गया है।
- (v) "आयोग" से केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 32 के अधीन गठित सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क समझौता आयोग अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत, जहां संदर्भ से ऐसा अपेक्षित हो, आयोग की शक्तियों का प्रयोग और कृत्यों का निर्वहन करने के लिए कोई न्यायपीठ भी है।
- (vi) "सचिव" से आयोग का सचिव अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत कोई प्रशासनिक अधिकारी भी है;
- (vii) "समझौता आवेदन" से किसी व्यक्ति द्वारा उससे संबंधित मामले का निपटारा कराने के लिए, यथास्थिति, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 32ड की उपधारा (1) के अधीन या सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 127ख की उपधारा (1) के अधीन आयोग को दिया गया कोई आवेदन अभिप्रेत है;
- (viii) उन शब्दों और पदों के, जो इसमें प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम और सीमाशुल्क अधिनियम में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगे जो उनके क्रमशः उक्त अधिनियमों में हैं।

#### आयोग की भाषा :

3. (1) आयोग के सभी अधिवचन आवेदक के विकल्प पर, हिन्दी में या अंग्रेजी में होंगे।
- (2) आयोग के सभी आदेश और अन्य कार्यवाहियां, आयोग के विकल्प पर, हिन्दी में या अंग्रेजी में होंगी।

#### सूचनाओं आदि पर हस्ताक्षर करना :

4. (1) आयोग द्वारा निकाले जाने वाली कोई अध्यापेक्षा, निदेश, पत्र प्राधिकार, आदेश या लिखित सूचना अध्यक्ष या कोई उपाध्यक्ष या आयोग के किसी अन्य सदस्य या सचिव द्वारा हस्ताक्षरित होंगी।
- (2) उपनियम (1) की कोई बात ऐसी किसी अध्यापेक्षा या निदेश को लागू होगी जो आयोग, सुनवाई के अनुक्रम में, व्यक्तिगत रूप से किसी आवेदक या किसी आयुक्त या किसी प्राधिकृत प्रतिनिधि को देना चाहे।

#### समझौता आवेदन फाइल करने की प्रक्रिया :

5. (1) कोई समझौता आवेदन आवेदक द्वारा आयोग के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय पर या किसी न्यायपीठ के सचिव को जिसकी अधिकारिता में उसका मामला आता है या सचिव द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी को वैयक्तिक रूप से प्रस्तुत किया जा सकेगा या सचिव के पते पर रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजा जाएगा।
- (2) उपनियम (1) के अधीन डाक द्वारा भेजा गया समझौता आवेदन सचिव को उस तारीख को प्रस्तुत किया गया समझा जाएगा जिसको वह आयोग के कार्यालय में प्राप्त होता है।

#### अभिलेख पुस्तिकाएं आदि तैयार करना :

6. (1) यथास्थिति, कोई आवेदक या आयुक्त किसी दस्तावेज या कथन या अन्य कागजपत्रों के प्रति निदेश करने या उन पर निर्भर रहने की प्रस्थापना करता है तो वह ऐसे कागजपत्रों को सम्यक् रूप से अनुक्रमित और पृष्ठों को संख्यांकित करके अन्तर्विष्ट करते हुए अभिलेख पुस्तिका की छह प्रतियां, यथास्थिति, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 32च की उपधारा (1) या सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 127ग की उपधारा (1) के अधीन सुनवाई की तारीख से कम से कम दो सप्ताह पूर्व प्रस्तुत कर सकेगा।  
परन्तु आयोग किसी समुचित मामले में विलम्ब को माफ कर सकेगा और अभिलेख पुस्तिका ग्रहण कर सकेगा।
- (2) यदि आवेदक, यथास्थिति, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 32च की उपधारा (7) या सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 127ग की उपधारा (7) के अधीन सुनवाई के दौरान किसी दस्तावेज या अभिकथन या अन्य कागजपत्र के प्रति निदेश करने या उस पर निर्भर रहने की प्रस्थापना करता है तो वह, ऐसे कागजपत्रों को सम्यक् रूप से अनुक्रमित और पृष्ठों को संख्यांकित करके अन्तर्विष्ट करते हुए अभिलेख पुस्तिका की छह प्रतियां केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 32च की उपधारा (1) या सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 127ग की उपधारा (1) के अधीन आदेश की प्राप्ति से तीस दिवस के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर जो आयोग द्वारा अनुज्ञात की जाए, प्रस्तुत कर सकेगा।
- (3) यदि आयुक्त, यथास्थिति, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 32च की उपधारा (7) या सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 127ग की धारा (7) के अधीन सुनवाई के दौरान किसी दस्तावेज या अभिकथन या अन्य कागजपत्र के प्रति निवेश करने या उस

पर निर्भर रहने की प्रस्थापना करता है तो वह, ऐसे कागजपत्रों को सम्यकरूप से अनुक्रमित और पृष्ठों को संख्यांकित करके अन्तर्विष्ट करने हुए अभिलेख पुस्तिका की छह प्रतियां केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 32च की उपधारा (1) या सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 127 ग की उपधारा (1) के अधीन आदेश की प्राप्ति से तीस दिवस के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर जो आयोग द्वारा अनुज्ञात की जाए, प्रस्तुत कर सकेगा।

- (4) आयोग, स्वप्रेरणा से, ऐसे अभिकथनों, दस्तावेजों और कागजपत्रों की प्रतियों को अन्तर्विष्ट करते हुए जो वह समझौता आवेदन या उससे उद्भूत विषयों के उचित निपटारे के लिए आवश्यक समझे, आवेदक या आयुक्त द्वारा या उसके खर्च पर अभिलेख पुस्तिका की छह प्रतियां तैयार करने का निदेश दे सकेगा।
- (5) उपनियम (1), (2), (3) और (4) में निर्दिष्ट कागजपत्र सुपाद्य लिखे हुए या दो-दो पंक्ति के अंतर से टाइप किए गए या मुद्रित होंगे। यदि दस्तावेज की जैराक्स प्रति फाइल की जाती है तो वह सुपाद्य होगी। प्रत्येक कागजपत्र, उसे फाइल करने वाले पक्षकार द्वारा सत्यप्रति के रूप में प्रमाणित होना चाहिए और ऐसी रीति से अनुक्रमित होगी जिससे पृष्ठ संख्या और वह प्राधिकारी जिसके समक्ष उसे फाइल किया गया था, के साथ दस्तावेजों का संक्षिप्त विवरण दिया गया हो।

### शपथपत्र का फाइल किया जाना

7. जहां किसी तथ्य का जो मामले से संबंधित अभिलेख का नहीं है या उसके प्रतिकूल है, समझौता आवेदन में कथन किया जाता है तो यह स्पष्ट रूप से और संक्षिप्त रूप से कथित होगा और सम्यक् रूप से तैयार किए गए शपथपत्र द्वारा समर्थित होगा।

### आवेदन की सुनवाई की तारीख और स्थान का अधिसूचित किया जाना :

8. आयोग, आवेदक को और आयुक्त को आवेदन की सुनवाई की तारीख और स्थान अधिसूचित करेगा।

### न्यायपीठ की बैठक

9. कोई न्यायपीठ अपनी बैठक अपने मुख्यालय पर आयोजित करेगी। न्यायपीठ, तथापि, पीठासीन अधिकारी के स्वविवेक से अपनी बैठकें आयोग द्वारा अधिसूचित उसकी अधिकारिता में के किसी स्थान पर कर सकेगी।

### न्यायपीठ की शक्तियां

10. कोई न्यायपीठ ऐसे समझौता आवेदनों या उससे उद्भूत विषयों का निपटारा इस प्रकार करेगी, जैसा अन्यथा साधारण या विशेष आदेश द्वारा निदेश दें।

### विशेष न्यायपीठ का गठन

11(1) अध्यक्ष, किसी विशेष मामले के निपटारे के लिए, विशेष न्यायपीठ का गठन कर सकेगा जो आयोग की सभी न्यायपीठों में लिए गए कम से कम पांच सदस्यों से मिलकर बनेगी।

- (2) विशेष न्यायपीठ की अध्यक्षता, अध्यक्ष या किसी उपाध्यक्ष द्वारा की जाएगी।

(3) यदि विशेष न्यायपीठ के सदस्य राय में बराबर बटे हैं तो वे उस बिंदु या बिंदुओं का चयन करेंगे जिस पर वे उनका मतभेद है और अध्यक्ष को उसका निर्देश करेंगे जो ऐसे बिंदु या बिंदुओं पर सुनवाई के लिए मामले समझौता आयोग के एक या अधिक अन्य सदस्यों को निर्देशित करेगा और ऐसे बिंदु या बिंदुओं पर विनिश्चय समझौता आयोग के ऐसे सदस्यों के बहुमत की राय के अनुसार किया जाएगा, जिन्होंने मामले की सुनवाई की है।

(4) इस नियम के पूर्वगामी उपबंधों में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी विशेष न्यायपीठ का गठन करने वाले एक या अधिक व्यक्ति (चाहे ऐसा व्यक्ति विशेष न्यायपीठ का पीठासीन के पीठासीन अधिकारी हो या अन्य सदस्य हो) रुग्णावस्था या किसी अन्य कारण से विशेष न्यायपीठ में कृत्य करने के लिए असमर्थ हो या विशेष न्यायपीठ के पीठासीन अधिकारी के पद में या अन्य सदस्यों के पद में कोई रिक्ति होने की दशा में शेष सदस्य यदि तीन से अधिक हों तो विशेष न्यायपीठ के रूप में कृत्य कर सकेंगे और शेष सदस्यों में ज्येष्ठतम सदस्य विशेष न्यायपीठ के पीठासीन अधिकारी के रूप में कार्य करेगा।

### प्राधिकार का फाइल किया जाना :

12. किसी आवेदन की सुनवाई में आवेदक के लिए उपसंज्ञात होने वाला कोई प्राधिकृत प्रतिनिधि सुनवाई के प्रारम्भ होने से पहले आवेदक के लिए उपसंज्ञात होने के लिए उसे प्राधिकृत करने वाला दस्तावेज फाइल करेगा और यदि वह आवेदक का नातेदार है तो दस्तावेज में आवेदक के साथ उसकी नातेदारी की प्रकृति भी कथित होगी, या यदि वह आवेदक द्वारा नियमित रूप से नियोजित कोई व्यक्ति है तो, उसकी वह हैसियत कथित होगी जिसमें उस समय वह नियोजित है।

### अतिरिक्त तथ्यों का सत्यापन :

13. जहां आयोग के समक्ष किन्हीं कार्यवाहियों के अनुक्रम में ऐसे तथ्यों पर निर्भर किया जाना है जो समझौता आवेदन में अन्तर्विष्ट न हों (जिसमें उपाबंध और ऐसे उपाबंध से संलग्न अभिकथन और अन्य दस्तावेज भी हैं) उन्हें आयोग को लिखित में प्रस्तुत किया जाएगा और उस रीति से सत्यापित किए जाएंगे जैसा कि समझौता आवेदन में उनके लिए उपबंध किया गया है।

**कार्यवाहियों का जनता के लिए खुला न होना :**

14. आयोग के समक्ष कार्यवाहियां जनता के लिए खुली नहीं होंगी और कोई व्यक्ति (आवेदक, उसका कर्मचारी, आयोग के या सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क विभाग का संबंधित अधिकारी या प्राधिकृत प्रतिनिधि से भिन्न) आयोग की अनुज्ञा के बिना ऐसी कार्यवाहियों के दौरान उपस्थित नहीं रहेगा।

**विशेष न्यायपीठ के आदेशों का प्रकाशन :**

15. अध्यक्ष, स्पष्टिक से, विशेष न्यायपीठ के आदेशों या विनिर्णयों को अन्तर्विष्ट करने वाले भागों के प्रकाशन का, उसमें नामों और अन्य विवरणों के बारे में ऐसे रूपांतरणों के साथ जो वह उचित समझे, निदेश दे सकेगा।

**सुनवाई का स्थगन :**

16. आयोग, ऐसे निबंधनों पर जो ठीक समझे और कार्यवाहियों के किसी प्रक्रम पर, आवेदन या उससे उद्भूत किसी विषय की सुनवाई का स्थगन कर सकेगा।

हरिंदर बंसी, आई. आर. एस., संयुक्त आयुक्त

## **CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE SETTLEMENT COMMISSION PROCEDURE, 1999**

### **NOTIFICATION**

New Delhi, the 26th October, 1999

**F. No. 22/10/99-Ad. 1C.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 32 I of the Central Excise Act, 1944 and sub-section (4) of section 127F of the Customs Act, 1962, the Customs and Central Excise Settlement Commission hereby makes the following procedure, namely :—

### **Short title and commencement.**

1. (1) This procedure may be called the Customs and Central Excise Settlement Commission Procedure 1999.

(2) It shall come into force on the date of publication in the Official Gazette.

### **Definitions:**

2. Unless the context otherwise requires —

(i) “Central Excise Act” means the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944);

(ii) “Customs Act” means the Customs Act, 1962 (52 of 1962);

(iii) “applicant means” a person who makes an application to the Commission under sub-section (1) of section 32 E of Central Excise Act or under subsection (1) of section 127 B of the Customs Act to have a case relating to him settled;

(iv) “authorized representative” means —

(a) in relation to an applicant, except where such applicant is required by the Commission to attend in person, a person who would be entitled to represent him before any Central Excise and Customs authority or under section 35 Q of the Central Excise Act or section 146 A of the Customs Act.

(b) in relation to a Commissioner, a person —

(I) authorized in writing by the Commissioner or the Chief Commissioner; or

(II) appointed by the Central Government as authorized representative or authorized by the Central Board of Excise & Customs to appear, plead and act for the Commissioner in any proceeding before the Commission.

(v) "Commission" means the Customs and Central Excise Settlement Commission instituted under section 32 of Central Excise Act and includes, where the context so requires, any Bench exercising or discharging the powers or functions of the Commission.

(vi) "Secretary" means the Secretary of the Commission and includes an Administrative Officer.

(vii) "settlement application" means an application made by a person to the Commission under sub-section (I) of section 32 E of Central Excise or under sub-section (1) of section 127B of the Custom Act, as the case may be, to have a case relating to him settled:

(viii) all other words and expressions used herein and not defined but defined in the Central Excise Act and the Customs Act, shall have the same meaning respectively assigned to them in the said Acts.

#### **Language of the Commission:**

3. (1) All pleadings before the Commission may, at the option of the applicant, be in Hindi or in English.

(2) All orders and other proceedings of the Commission may, at the option of the Commission, be in Hindi or in English.

#### **Signing of notices, etc.**

4. (1) Any requisition, direction, letter, authorisation, order or written notice to be issued by the Commission shall be signed by the Chairman or a Vice-Chairman or any other Member of the Commission or by the Secretary.

(2) Nothing in sub-rule (1) shall apply to any requisition or direction which the Commission may, in the course of the hearing, issue to an applicant or a Commissioner or an authorised representative personally.

3229 61/99-2

**Procedure for filing settlement application.**

5. (1) A settlement application shall be presented by the applicant in person to the Secretary at the headquarters of the Commission at New Delhi or of the Bench within whose jurisdiction his case falls or to any officer authorised in this behalf by the Secretary, or shall be sent by registered post addressed to the Secretary.

(2) A settlement application sent by post under sub-rule (1) shall be deemed to have been presented to the Secretary on the day on which it is received in the office of the Commission.

**Preparation of paper books, etc.**

6. (1) If the applicant or the Commissioner, as the case may be, proposes to refer or rely upon any documents or statements or other papers, he may submit six copies of a paper book containing such papers duly indexed and paged at least two weeks before the date of hearing under sub-section (1) of section 32 F of the Central Excise Act or sub-section (1) of section 127 C of the Customs Act, as the case may be;

Provided that the Commission may in an appropriate case condone the delay and admit the paper book.

(2) If the applicant proposes to refer to or rely upon any documents or statements/or other papers, during the course of hearing under sub-section (7) of section 32 F of the Central Excise Act or sub-section (7) of section 127 C of Custom Act, as the case may be, he may submit six copies of a paper book containing such papers duly indexed and paged, within thirty days or within such extended period as may be allowed by the Commission of the receipt of an order under sub-section (1) of section 32 F of the Central Excise Act or sub-section (1) of section 127 C of the Customs Act.

(3) If the Commissioner proposes to refer to or rely upon any documents or statements or other papers during the course of hearing under sub-section (7) of section 32F of the Central Excise Act, or sub-section (7) of section 127C of the Customs Act, as the case may be, he may submit six copies of a paper book containing such papers duly indexed and paged within thirty days or within such extended period as may be allowed by the Commission, of the receipt of an order under sub-section (1) of section 32F of the Central Act or sub-section(1) of section 127C of the Customs Act.

(4) The Commission may, suo-motu, direct the preparation of six copies of a paper book by and at the cost of the applicant or the Commissioner, containing copies of such statements, documents and papers, as it may consider necessary for the proper disposal of the settlement applicant on or matters arising therefrom.

(5) The papers referred to in sub-rules (1), (2), (3) and (4) must be legibly written or type-written in double space or printed. If xerox copy of the document is filed, then the same should be legible. Each paper should be certified as a true copy by the party filing the same and indexed in such a manner as to give a brief description of the documents, with page numbers and the authority before whom it was filed.

**Filing of affidavit.**

7. Where a fact, which is not borne out by or is contrary to the record relating to the case, is alleged in the settlement application, it shall be stated clearly and concisely and supported by a duly sworn affidavit.

**Date and place of hearing of application to be notified:**

8. The Commission shall notify to the applicant and the Commissioner the date and place of hearing of the application.

**Sitting of Bench.**

9. A Bench shall hold its sittings at its headquarters. The Bench may, however, at the discretion of the Presiding Officer, hold its sittings at any place in its jurisdiction notified by the Commission.

**Powers of a Bench.**

10. A Bench shall dispose of such settlement applications or matters arising therefrom as the Chairman may by general or special order direct.

**Constitution of Special Bench.**

11. (1) The Chairman may, for the disposal of a particular case, constitute a Special Bench consisting of at least five Members drawn from all the Benches of the Commission.
- (2) The Special Bench shall be presided over by the Chairman or a Vice Chairman.
- (3) If the Members of the Special Bench are equally divided, they shall state the point or points on which they differ and make a reference to the Chairman who shall refer the case for hearing on such point or points by one or more of other Members of the Settlement Commission and such point or points shall be decided according to the opinion of the majority of the Members of the Settlement Commission who have heard the case.
- (4) Notwithstanding anything contained in the foregoing provisions of this rule, if one or more persons constituting the Special Bench (whether such person is the Presiding Officer or another Member of the Special Bench) are unable to function in the Special Bench owing to illness or any other cause or in the event of occurrence of a vacancy either in the office of the presiding Officer or in the office of one or other Members of the Special Bench, the remaining Members, if more than three may function as the Special Bench, and the senior most of the remaining Members shall act as the Presiding Officer of the Special Bench.

**Filing of authorisation:**

12. An authorised representative appearing for the applicant at the hearing of an application shall file before the commencement of the hearing a document authorising him to appear for the applicant and if he is a relative of the applicant, the document shall state the nature of his relationship with the applicant, or if he is a person regularly employed by the applicant, the capacity in which he is at the time employed.

**Verification of additional facts.**

13. Where in the course of any proceedings before the Commission any facts not contained in the settlement application (including the annexure and the statements and other documents accompanying such annexure) are sought to be relied upon, they shall be submitted to the Commission in writing and shall be verified in the manner as provided for in the settlement application.

**Proceedings not open to the public.**

14. The proceedings before the Commission shall not be open to the public and no person (other than the applicant, his employee, the concerned officers of the Commission or the Custom and Central Excise Department or the authorised representatives) shall, without the permission of the Commission, remain present during such proceedings.

**Publication of orders of the Special Bench**

15. The Chairman may, at his discretion, direct the publication of orders or portions containing the rulings of the Special Bench with such modifications as to names and other particulars therein, as he may deem fit.

**Adjournment of hearing.**

16. The Commission may, on such terms as it thinks fit and at any stage of the proceedings, adjourn the hearing of the application or any matters arising therefrom.

HARINDER BANSI, I.R.S., Jt. Commissioner